12 40/1-2 hrs.

SUPPLEMENTARY DEMANDS FOR GRANTS (MIZORAM), 1977-78

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI H. M. PATEL): I beg to present a statement showing Supplementary Demands for Grants in respect of the Union Territory of Mizoram for the year 1977-78.

12.41 hrs.

RAILWAY BUDGET, 1978-79—GENERAL DISCUSSION—*Contd.*

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now, we take up further consideration of the Budget (Railways).

SHRI KANWAR LAL GUPTA (Delhi Sadar): May I know when is the Minister going to reply?

MR. DEPUTY-SPEAKER: At 2-30 P.M. the Minister will reply. Till 2-30 P.M. we shall continue further discussion on the Budget (Railways). Shri Shrikrishna Singh was on his legs. Let him continue.

श्री श्रीकृष्ण सिंह (मुंगेर) : उपाध्यक्ष महोदय, कल मैंने बताया था कि कर्मचारियों के वेतनों में, आवास की सुविधाओं में और कर्मचारी कल्याण पर करीब 90 करोड़ रुपया अतिरिक्त खर्च करने का प्रावधान है। दूसरे दर्जे के यात्रियों के लिए भी सुविधा बढ़ाने के कई काम हैं। फिर भी 65 करोड़ की बचत की जो सम्भावना है बिना किराये की बढ़ोतरी किये हुए, यह एक बड़ा काम है। रेलों के संचालन में इन्होंने कर्मचारियों तथा प्रशासन की साझेदारी ली है। और उसके प्रति जो दृष्टिकोण मंत्री जी ने प्रकट किया है उसके लिए हम इसका समर्थन करते हैं। ऊंची तनख्वाहें पाने वाले अफसरों की सुविधाओं में जो कटौती की गई है, एयर कंडीशन्ड के मामले में या पहले दो में घूमने की सुविधाओं में जो धीरे-धीरे कमी की जा रही है इसके लिए भी हम इस दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं। सबसे अधिक लाभ नीचे स्तर के कर्मचारियों को मिलेगा। सेलैक्सन ग्रेड चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को देने की भी बात है। इन सब बातों से मालूम होता है कि मंत्री जी का ध्यान गांधियन समाजवाद की तरफ है। क्लास दो के अफसरों की पदोन्नति का प्रतिशत बढ़ा दिया गया है। इसी प्रकार लोको रनिंग स्टाफ की कंडीशन आफ सर्विस में सुधार हुआ है। जो फैरी करने वाले बैरा लोग हैं उनकी सेवाओं को नियमित करने की तरफ मंत्री जी सोच रहे हैं। फायरमैन के वेतन में वृद्धि की गई है। यह गांधियन समाजवाद की तरफ कदम है।

मगर मैं कहना चाहता हूं कि पिछड़े क्षेत्रों में रेल बिछाने की जो नीति है उसकी तरफ आपने उपेक्षा की है। किउल में साहबगंज बढ़रवा तक दोहरी रेलवे लाइन बिछाने की बात की थी। हावड़ा से बढरवा तक लाइन बनी है, लेकिन बढरवा से किउल तक की लाइन की उपेक्षा कर दी गई। हमारा निवेदन है कि दोहरी लाइन बिछाने का काम शीघ्र किया जाए। निर्मली-भपतिया लाइन के रेस्टोरेशन की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया गया। इसी तरह से प्रतापगंज-वीरपुर लाइन है। यह दोनों लाइनें बनी है लेकिन कोसी की बाढ़ से ध्वस्त हो गई है इसलिए उनको रेस्टोर करने की बात है। यह दोनों लाइनें किसान क्षेत्र की लाइनें है। उत्तर बिहार के लोग जो फसल उपजाने वाले लोग हैं उनको सुविधा पहुंचाने की दृष्टि से इन दोनों लाइनों को रेस्टोर किया जाए जिससे कोसी से बाढ़ पीड़ित लोगों का कल्याण हो। मंत्री जी को उनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए।

सकरी से हसनपुर, लाइन की प्रगति शून्य है। रांची रोड से कोडरमा और भागलपुर से मंदार हिल रेलवे लाइन के बारे में मंत्री जी ने पिछले साल आश्वासन दिया था। लेकिन इस बार उनको छोड़ दिया है। रांची रोड से कोडरमा और कोडरमा से गिरिडीह